ओरियंट ब्लैकस्वॉन

मध्यकालीन भारत

राजनीति, समाज और संस्कृति

सतीश चन्द्र

नया संस्करण

Smart App

Scanned by TapScanner

विषय-क्रम

प्रस्तावना *v-vi*

मानचित्र *xi*

1. **भारत और विश्व** 1

   यूरोप; फ्यूडलिज़्म का उदय; अरब दुनिया; अफ्रीका; चीन और दक्षिण-पूर्व एशिया

2. **उत्तर भारत और दकन: तीन साम्राज्यों का युग (आठवीं से दसवीं सदी तक)** 12

   उत्तर भारत में वर्चस्व का संघर्ष; पाल साम्राज्य; प्रतिहार; राष्ट्रकूट; राजनीतिक विचार और संगठन

3. **चोल साम्राज्य (नवीं से बारहवीं सदी तक)** 25

   चोल साम्राज्य का उदय; राजराज और राजेंद्र प्रथम का युग; चोल शासन : स्थानीय स्वशासन; सांस्कृतिक जीवन

4. **आर्थिक और सामाजिक जीवन, शिक्षा और धार्मिक विश्वास (800-1200)** 34

   व्यापार और वाणिज्य; जनता की दशा; समाज की प्रकृति; जातिप्रथा; स्त्रियों की दशा; वस्त्र, भोजन, मनोरंजन; शिक्षा, ज्ञान-विज्ञान और धर्म; धार्मिक आंदोलन और विश्वास

5. **टकराव का युग (1000-1200)** 54

   (i) आरंभिक चरण : अरब और सिंध; (ii) अफगानिस्तान और अलहिंद; गजनवी; राजपूत रजवाड़े; उत्तर भारत में तुर्कों की विजय; तराईन की लड़ाई; गंगा की वादी, बिहार और बंगाल में तुर्कों की विजय; राजपूतों की पराजय का कारण

6. **दिल्ली सल्तनत: स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण (तेरहवीं सदी)** 74

   ममलूक सुल्तान; शक्तिशाली राजतंत्र की स्थापना के लिए संघर्ष; इल्तुतमिश (1206-36); रज़िया (1236-39); बलबन का युग (1246-87); मंगोल और उत्तर-पश्चिम सीमा की समस्या; आंतरिक विद्रोह तथा विजित क्षेत्रों में स्थायित्व प्रदान करने के लिए संघर्ष; बलबन का मूल्यांकन

Scanned by TapScanner

7. **दिल्ली सल्तनत: चौदहवीं सदी में प्रसार और पतन (खलजी और तुगलक)** 91

खलजी (1290–1320); तुगलक (1320–1412); (i) दिल्ली सल्तनत का प्रसार; गुजरात; राजस्थान; दकन और दक्षिण भारत; (ii) आंतरिक सुधार और प्रयोग; बाज़ार पर नियंत्रण और अलाउद्दीन की कृषि-नीति; मुहम्मद तुगलक के प्रयोग; सांकेतिक मुद्रा; (iii) दिल्ली सल्तनत का पतन और विघटन: फ़िरोज़ और उसके उत्तराधिकारी

8. **दिल्ली सल्तनत: शासन तथा आर्थिक-सामाजिक जीवन** 117

सुल्तान; केंद्रीय प्रशासन; स्थानीय प्रशासन; आर्थिक और सामाजिक जीवन; किसान और ग्रामीण अभिजात; व्यापार, उद्योग और सौदागर; सुल्तान और कुलीन; नगरीय जीवन: दास, दस्तकार और अन्य; जाति-प्रथा तथा सामाजिक रीति-रिवाज; राज्य की प्रकृति; सल्तनत काल में धार्मिक स्वतंत्रता

9. **विजयनगर और बहमनी काल तथा पुर्तगालियों का आगमन (लगभग 1350–1565)** 137

विजयनगर साम्राज्य की स्थापना और बहमनी साम्राज्य के साथ टकराव; बहमनी साम्राज्य का प्रसार और विघटन; महमूद गाँवा; विजयनगर साम्राज्य का चरमोत्कर्ष और विघटन; पुर्तगालियों का आगमन; भारतीय व्यापार, समाज और राजनीति पर पुर्तगाली प्रभाव

10. **उत्तर भारत में साम्राज्य के लिए संघर्ष (लगभग 1400–1525)** 159

पूर्वी भारत : बंगाल, असम और उड़ीसा; पश्चिमी भारत : गुजरात, मालवा और मेवाड़; महमूद बेगढ़; मालवा और मेवाड़; उत्तर-पश्चिम और उत्तर भारत : शर्की, लोदी सुल्तान और कश्मीर

11. **भारत में धार्मिक आंदोलन और सांस्कृतिक विकास (तेरहवीं से पंद्रहवीं सदी तक)** 177

वास्तुकला; धार्मिक विचार और विश्वास; सूफ़ी आंदोलन; चिश्ती और सुहरवर्दी सिलसिले; भक्ति आंदोलन; वैष्णव आंदोलन; साहित्य; अरबी और फ़ारसी साहित्य; क्षेत्रीय भाषाएँ; ललित कलाएँ

12. **मुगलों का आगमन: बाबर और हुमायूँ** 195

मध्य एशिया और भारत; बाबर; भारत की विजय; पानीपत की लड़ाई (20 अप्रैल 1526); खानवा की लड़ाई; अफ़गान; भारत

Scanned by TapScanner

में बाबर के आगमन का महत्त्व; हुमायूँ की गुजरात विजय; शेरखान से टकराव

13. **अफ़गानों का चरमोत्कर्ष** 212

शेरशाह का उदय; शेरशाह और सूर साम्राज्य (1540-55); शेरशाह का योगदान

14. **मुगल साम्राज्य का सुदृढ़ीकरण (अकबर का युग)** 222

आरंभिक चरण : अमीरों (कुलीनों) के साथ टकराव (1556-67); साम्राज्य का आरंभिक प्रसार (1560-76); प्रशासन; मनसबदारी व्यवस्था और सेना; शासन का गठन; राजपूतों से संबंध; विद्रोह तथा मुगल साम्राज्य का आगे विस्तार; एकीकरण की ओर : राज्य, धर्म और सामाजिक सुधार;

15. **दकन और दक्षिण भारत (1656 तक)** 253

दकन की ओर मुगलों की अग्रगति; बरार, अहमदनगर और खानदेश की विजय; मलिक अंबर का उदय और सुदृढ़ीकरण के मुगल प्रयासों की असफलता; अहमदनगर का विलोप तथा बीजापुर और गोलकुंडा द्वारा मुगल अधीनता स्वीकार करना; दकनी राज्यों का सांस्कृतिक योगदान

16. **मुगलों की विदेश नीति** 269

अकबर और उज़बेक; ईरान से संबंध और कंदहार का प्रश्न; शाहजहाँ का बल्ख अभियान; मुगल-ईरान संबंध : अंतिम चरण

17. **भारत: सत्रहवीं सदी के पूर्वार्ध में** 279

जहाँगीर; नूरजहाँ; शाहजहाँ का विद्रोह; महाबत खान; जहाँगीर और शाहजहाँ के काल में राज्य; प्रशासन का विकास : मन. सबदारी व्यवस्था और मुगल सेना; मुगल सेना

18. **मुगल काल में आर्थिक और सामाजिक जीवन** 290

आर्थिक और सामाजिक अवस्था; जीवन-स्तर : ग्रामीण जीवन पद्धति और जनसमूह; शासक वर्ग : अमीर वर्ग और ज़मींदार; ज़मींदार और ग्रामीण अभिजात; मध्यवर्ती तबका; व्यापार और वाणिज्य का संगठन; विदेश व्यापार और यूरोपीय व्यापारी

19. **सांस्कृतिक और धार्मिक विकासक्रम** 309

वास्तुकला; चित्रकला; भाषा और साहित्य; संगीत; धार्मिक विचार और विश्वास तथा एकीकरण की समस्याएँ

20. **औरंगज़ेब और उसकी आंतरिक समस्याएँ** 319

उत्तराधिकार की समस्याएँ; औरंगज़ेब का शासनकाल : उसकी

Scanned by TapScanner

धार्मिक नीति; मंदिर और जज़िया; राजनीतिक विकासक्रम : उत्तर भारत; पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत : असम; बंगाल और उड़ीसा; जन-विद्रोह और क्षेत्रीय स्वतंत्रता के लिए आंदोलन : जाट, अफ़गान और सिख; जाट और सतनामी; अफ़गान; सिख; राजपूतों से संबंध : मारवाड़ और मेवाड़ से संबंध विच्छेद;

21. **मुगल साम्राज्य का चरमोत्कर्ष और विघटन** 344

मराठों का उदय; शिवाजी का आरंभिक जीवन-वृत्त; पुरंदर की संधि और शिवाजी की आगरा यात्रा; शिवाजी से अंतिम संबंध-विच्छेद : शिवाजी का प्रशासन और उनकी उपलब्धियाँ; औरंगज़ेब और दकनी राज्य (1658-87); पहला चरण (1658-68); दूसरा चरण (1668-84); तीसरा चरण (1684-87); अंतिम चरण (1687-1707) : औरंगज़ेब, मराठे और दकन; मुगल साम्राज्य का ह्रास : औरंगज़ेब की ज़िम्मेदारी

22. **मूल्यांकन और समीक्षा** 367

संदर्भ-ग्रंथ 372

अनुक्रमणिका 374

Scanned by TapScanner